सुसाध्य स्तन स्वास्थ्य समस्याएं
चूचुक संबंधित समस्याएं

पायल (परिवर्तित नाम), 45 वर्ष के महिला को 6 महिने से अपने बायें चूचुक से बार-बार तरल पदार्थ स्रावित होता है व चूचुक के आसपास संक्रमण रहता है।

स्तन

सौजन्य सेः ब्रेस्ट कैंसर केयर, यूके

चूचुक

सौजन्य सेः ब्रेस्ट कैंसर केयर, यूके

डक्ट एक्टेशिया (दुग्धवाहिका विस्तारण) क्या होती है

पिण्डिकाएं (दूध-उत्पन्न करने वाली ग्रंथियां) और दुग्धवाहिकाएं (चूचुक तक दूध पहुंचाने वाली नलिकाएं) जो वसायुक्त व सहायक ऊतकों से घिरी होती है, उसे स्तन कहते हैं। जैसे-जैसे महिला रजोनिवृत्ति तक पहुंचती है तो स्तन बढ़ते हैं और चूचुक के पीछे स्थिति दुग्धवाहिकाएं छोटी व चौड़ी हो जाती है। इसे डक्ट एक्टेशिया कहते हैं।

यह एक सामान्य स्तन परिवर्तन होता है जो कि चिंताजनक नहीं है। कभी-कभी विस्तारित दुग्धवाहिकाओं में एक तरह का पदार्थ एकत्रित होने लगता है और इनकी परतों में जलन हो सकती है। ये परतें नासुरयुक्त व दर्दनाक भी हो सकती है, लेकिन ऐसा सामान्य रूप से नहीं होता है।

डक्ट एक्टेशिया का निदान कैसे करें

विशेषज्ञ से सलाह लेना आवश्यक है और ट्रिपल परीक्षण से सूचित तीन विभिन्न परीक्षण कराना अनिवार्य है, ताकि इसका सुनिश्चित निदान किया जा सकें। ये चिकित्सीय स्तन परीक्षण, मैमोग्राम (स्तन का एक्स-रे) और अल्ट्रासाउण्ड स्कैन (जो

उच्च आवृत्ति ध्वनि तरंगों के इस्तेमाल से स्तन का चित्र बनाती है) होते हैं। यदि चूचुक से तरल पदार्थ निकलता है, तो इसका भी परीक्षण किया जा सकता है, विशेष रूप से यदि यह रक्तयुक्त हो, तो इसके निदान में इसकी पुष्टि हो सकती है।

डक्ट एक्टेशिया नियंत्रित कैसे करें

अधिकांश मामलों में यदि उम्र बढ़ने के साथ-साथ यह पदार्थ स्राव सामान्य और स्वतः ही साफ हो जाता है तो उपचार करने की जरूरत नहीं होती है। यदि कोई नये लक्षण दिखाई दें, तो स्पेशलिस्ट को दिखाना आवश्यक है। हालांकि, यदि चूचुक से तरल पदार्थ दर्द के साथ स्रावित होता रहता है, तो प्रभावित दुग्धवाहिनी या वाहिकाओं को निकालने के लिए ऑपरेशन किया जा सकता है। आमतौर पर यह ऑपरेशन सामान्य एनेस्थेटिक के अंतर्गत किया जाता है और मरीज को पूरे दिन या पूरी रात अस्पताल में रूकना होता है।

पेरिडक्टल मैसटाइटिस क्या है

पेरिडक्टल मैसटाइटिस एक सुसाध्य (गैर कैंसर) प्रकार की स्तन की स्थिति है। कई बार निप्पल के अन्दर की डक्ट सूजकर संक्रमित हो जाती है। इसे पेरिडक्टल मैसटाइटिस कहा जाता है। यह सभी आयु के व्यक्तियों को प्रभावित कर सकता है परंतु युवा महिलाओं में अधिक पाया जाता है। वैसे देखें तो यह महिलाओं में अधिक होता है, पुरुषों को भी पेरिडक्टल मैसटाइटिस हो सकता है परंतु यह काफी दुर्लभ है।

पेरिडक्टल मैसटाइटिस के कारण स्तन में नाजुक स्थिति बन सकती है और स्पर्श करने पर ये गरम लगते हैं और वहां की त्वचा लाल होती है। इसमें निप्पल से स्राव भी हो सकता है जिसमें खून भी हो सकता है।

कई बार निप्पल के पीछे एक गांठ महसूस हो सकती है या स्तन के ऊतक निप्पल के पीछे जाकर एकत्र हो सकते हैं। इसके कारण निप्पल में खिंचाव होता है और वे अन्दर जा सकते हैं। कई बार फोडा (पस जमा होना) या फिस्च्युला (त्वचा और डक्ट के मध्य मार्ग विकसित होना) की स्थिति भी बन सकती है। धूम्रपान करने वाले व्यक्तियों को यह होने की आशंका अधिक होती है क्योंकि धूम्रपान में मौजूद धुंए के कारण निप्पल के पीछे के डक्ट को क्षति पहुंचती है। धूम्रपान के कारण उपचार के बाद ठीक होने की गति धीमी हो सकती है।

पेरिडक्टल मैसटाइटिस (अवरूद्ध दुग्धवाहिकाओं में सूजन) सुसाध्य (कैंसरमुक्त) होता है

यह समस्या सुसाध्य (कैंसरमुक्त) होती है। डक्ट एक्टेशिया के कारण भी चूचूक से तरल पदार्थ निकल सकता है, जो सामान्यतया गाढ़ा लेकिन पानी जैसा भी हो सकता है। इसका रंग रक्तयुक्त या साफ हो सकता है। कभी-कभी चूचुक के नीचे गांठ का अहसास हो सकता है, या चूचुक के नीचे के ऊतक धब्बेदार हो सकते हैं। जैसे-जैसे दुग्धवाहिकाएं छोटी होती जाती है, तो यह चूचुक को अंदर की तरफ खींचती है जिससे यह अंदर की तरफ घुस जाती है।

पेरिडक्टल मैसटाइटिस का उपचार क्या है

अधिकांश स्थितियों में इस संक्रमण को दूर करने के लिये एन्टीबायोटिक्स की मदद ली जाती है। दर्द से मुक्ति के लिये पेरासिटामॉल दी जाती है। यदि फोडा (पस का जमाव) है तब अल्ट्रासाउन्ड द्वारा इस पस को सबसे पहले उपचार में निकाल दिया जाता है। इसे कई बार (एक विशेष समयावधि में) किया जाना आवश्यक होता है। यदि बार बार इसे किये जाने पर भी मदद नही मिलती है, तब त्वचा में एक खुला स्थान बनाकर हल्के निष्चेतक की मदद से पस को निकाल दिया जाता है।

यदि पेरिडक्टल मैसटाइटिस पुनः होता है, तब प्रभावित डक्ट को निकालने के लिये शल्यक्रिया करने की आवश्यकता हो सकती है। प्रभावित डक्ट (इन्हे माईक्रोडोचेकाटोमी कहा जाता है) या महत्वपूर्ण दक्ट्स को निकालना (इसे टोटल डक्ट एक्सिशन कहते हैं) किया जाना आवश्यक होता है जिसे बार बार होने वाले पेरिडक्टल मैसटाइटिस के लिये किया जाता है। यह शल्यक्रिया सामान्य बेहोशी के साथ किया जाता है।

बायें स्तन में फोड़ा

सौजन्य सेः केआईएमएस- उषालक्ष्मी स्तन रोग निदान सेंटर, हैदराबाद

www.breastcancerindia.org